Gupta period (part -6)

3 स्कंदगुप्त का भितरी स्तंभ अभिलेख

भितरी गाॅजीपुर जिले में स्थित है.
इसमें स्कंदगुप्त के राज्यारोहण से पूर्व छिड़े गृह युद्ध की स्पष्ट जानकारी मिलती है.
हुण आक्रमण की जानकारी इसी अभिलेख से मिलती है.
उल्लेखनीय है कि हुण स्कंदगुप्त से पराजित हुये थे.
पुष्यमित्रों से भी इनके संघर्ष की जानकारी मिलती है. जिसे स्कंदगुप्त ने पराजित किया था.
पुष्यमित्र कौन थे, कहाँ के निवासी थे. इसकी जानकारी नहीं प्राप्त हो पाती.
यह अभिलेख विष्णु के मंगलाचरण से प्रारंभ होता है.

3 भानुगुप्त का एरण अभिलेख

510 A.D. का
एरण, सागर जिले में साँची के निकट अवस्थित है.
भाषा - संस्कृत
लिपि - गुप्त
इस अभिलेख में गोपराज नामक सैनिक के युद्ध स्थल में शहादत होने और उसकी पत्नि के अपने पति की चिता पर शहादत होने का उल्लेख मिलता है.
इस प्रकार भारतीय इतिहास में सती प्रथा के सम्बन्ध में जानकारी देनेवाला यह प्रथम अभिलेख माना जाता है.

सिक्के

- गुप्तकालीन मुद्राओ से तत्कालीन स्थिति की जानकारी मिलती है. गुप्त युग से भारतीय मुद्रा के इतिहास में नवीन युग का आरंभ माना जाता है.

गुप्तकालीन स्वर्ण सिक्के पहली बार 1783 ई० में कलकत्ता के निकट 'कालीकट' से मिला. परन्तु गुप्तकालीन स्वर्ण सिक्को का सबसे बड़ा ढेर राजस्थान प्रांत के भरतपुर जिले में स्थित बयाना से प्राप्त हुआ है. उल्लेखनीय है कि प्राचीन भारतीय इतिहास में सबसे उच्च सोने का सिक्का गुप्तो ने ही जारी किया था. स्वर्ण सि... के अलावा गुप्त शासको ने चाँदी, ताँबे और शीशे के सि... को भी जारी किया था.

गुप्तकालीन मुद्राएँ कई प्रकार के थे. ऐसे में सम्मि... रूप से कुल प्रकारो की संख्या - 11 है.

सर्वाधिक प्रचलीत 'धनुर्धर भाँति' के सिक्के थे.

- सिक्को से हमें जीवन के विभिन्न पहलुओ के संबंध में मह... जानकारी प्राप्त होती है;
  - भौगोलिक विस्तार
  - धार्मिक जीवन
  - शासक का व्यक्तित्व
  - राज्यकाल के किसी महत्वपूर्ण घटना की जानकारी
  - राजनीतिक उथल - पुथल
  - धातु कर्म
  - आर्थिक स्थिति.

स्वर्ण सिक्को के प्रकार

- चंद्रगुप्त - I

इसने मात्र 1 प्रकार के सिक्के चलाये. जो कि 'दंपत्ति भाँति' के सिक्के कहलाते है. इसमें लिच्छवि राजकुमारी 'कुमारदेवी' के साथ उनके चित्र का चित्र अंकित है.

Cont.....